केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग परिचय - १

रविवार, ६ मार्च, २०११ **समय : सुबह ९.०० से ११.१५** **कुल गुण : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (४)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (६)	
	१२ (४)	
विभाग-२, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१३ (१०)	
विभाग-३, कुल गुण		

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. **आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।

३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।

४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरिक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

५. **बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. प्रश्न के गुण → | गुण : १ | | ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह

७. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

९. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

१०. **परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्युट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नही होंगे ।**

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. **Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.**
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will be considered **NOT VALID.**
6. Marks for Question → | 1 Mark | | ← Space for Examiner to write marks
7. **Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.**
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. **Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.**
11. **In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१	

विभाग - १ : सहजानंद चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''यह सारा का सारा राज्य आपके चरणों में समर्पित है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''लीजिए, गुणातीतानन्द स्वामी हमारा अक्षरधाम हैं । वह आपको और सोरठ के हरिभक्तों को दे रहा हूँ ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''मैं तो डुगडुगी बजानेवाला हूँ ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. पातलभाई की पत्नी ने रोते-रोते महाराज के पास क्षमा माँगी ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. सुन्दरजी सुथार का अहंकार गल गया ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-२	

३. शोभाराम चार हीं दिनों में अंधा हो गया ।

....

....

....

....

.... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ 'आणंद मे अपमान' – **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-३		प्र-४		प्र-५	

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित पश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. श्रीजीमहाराज ने शिक्षापत्री कहाँ और कब लिखी ? (संवत्, तिथि) गुण : १

.....

.....

२. श्रीजीमहाराज की आज्ञा से किसने नर्क के कुण्ड खाली किये ? गुण : १

.....

.....

३. गंगाबाई ने सोनबाई से क्या कहा ? गुण : १

.....

.....

४. मुक्तानन्द स्वामी की वड़ोदरा की जीत किससे सहीं नहीं गई ? गुण : १

.....

.....

५. श्रीजीमहाराज ने विधवा स्त्रियों को क्या कहकर उनका सामाजिक सम्मान किया ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. अच्छे पदार्थों का त्याग गुण : २

(१) ☐ यह तो माणकी घोड़ी है ।

(२) ☐ एक याचक ब्राह्मण खड़ा था ।

(३) ☐ महाराज ने माणकी घोड़ी की लगाम ब्राह्मण को पकड़ा दी ।

(४) ☐ बहुत अच्छा पदार्थ बन्धन करता है ।

२. संतों को जूते पहनाये गुण : २

(१) ☐ संघ के सभी सदस्यों को एक-एक अंजलि भर शक्कर दीजिए ।

(२) ☐ तुम लोग मोजे पहनना आरभ्भ कर दो ।

(३) ☐ हमें नाश्ता करना है । (४) ☐ वैशाख मास की भयंकर धूप थी ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-६		प्र-७	

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ४)

१. महाराज ने हरिभक्तों को ..... स्वच्छ रखने को कहा । गुण : १

२. श्रीजीमहाराज ने सूरत के ..... को अपनी पगड़ी भेंट की । गुण : १

३. श्रीजीमहाराज ने ..... गाँव में गूँगे के मुख से वेदों के मंत्रों का पाठ बुलवाया । गुण : १

४. अंतिम बीमारी में श्रीजीमहाराज ..... के भाव को पूरा करने के लिए रोजका गये । गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - २

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''उपासक में ऐसा गुण अवश्य होना चाहिए ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''हरकोई अपने स्वभाव के अनुसार क्रिया करता है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''शास्त्रीजी महाराज का संग रखना और जो वे कहें वह करना ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ४)

१. प्रेमानन्द स्वामी ने भजन की रचना की 'माणकीए चढ्या रे मोहन वनमाली .... नथी जाती दरबारमांथी घोड़ी'

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-८	

२. आचार्य रघुवीरजी महाराजने प्रसन्न होकर जागाभक्त के हृदय पर चरणारविन्द की छाप लगाई ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २	

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ९ 'कृष्णजी अदा के द्वारा अक्षरपुरुषोत्तम उपासना ।' – **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-९		प्र-१०		प्र-११	

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. जागाभक्त को गुणातीतानन्द स्वामी की महिमा प्रथम बार किसने समझाई ? | गुण : १ |

.....

.....

२. श्रीजीमहाराजने लाडुबा के वहाँ पहले जीमने के लिए किसको भेजा ? | गुण : १ |

.....

.....

३. श्रीजीमहाराज ने गढ़डा में कौन-सी जगह पर मन्दिर बनवाने का प्रथम संकल्प किया ? | गुण : १ |

.....

.....

४. प्रेमानन्द स्वामी का कौन-सा कीर्तन सुनकर श्रीजीमहाराज को उन्हें साष्टांग दण्डवत् करने का विचार आया ? | गुण : १ |

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । (कुल गुण : ६)

विषय : शुद्ध उपासना के प्रवर्तन में स्वामी जागा भक्त का योगदान

१. सद्गुरु नित्यानंद स्वामीने अक्षरपुरुषोत्तम की युगल मूर्ति को स्थापित करने की शपथ ले ली । **२.** भगतजी महाराज कहते थे, गुणातीतानन्द स्वामी मूल अक्षर हैं, श्रीजीमहाराज को रहने का धाम है । **३.** बालमुकुंद स्वामी कहते, दूसरों की क्रिया, दूसरों का रूप-रंग और दूसरों के दोष कभी मत देखो । **४.** महाराज की मूर्ति से पाँच सुख प्राप्त कर सकते हैं । **५.** भगवान तो कोई बन ही नहीं सकता । **६.** अवगुण देखने का मन करे तो अपनी देह, प्रकृति और स्वभाव के अवगुण देखो । **७.** जागा भक्त भी अपने बहुत सारे प्रिय सन्तों एवं हरिभक्तों से ये उपासना की रहस्यमय बातें की थीं । **८.** अक्षरब्रह्म गुणातीतानंद स्वामी से समागम करके मुमुक्षु ब्रह्मरूप बनते हैं । **९.** तुम संकल्प न करो तो तुम्हारी कमी और हम तुम्हारी सहायता न करें तो हमारी कमी । **१०.** अक्षरपुरुषोत्तम की मूर्ति स्थापित करने से सभी संशयों एवं सन्देहों का अन्त हो जाएगा । **११.** महाराज की बातों की तरह ही उनकी बातों ने भी सोरठ क्षेत्र के हरिभक्तों को परमानन्द का अनुभव कराया । **१२.** इस तरह अक्षरपुरुषोत्तम की उपासना का उद्घोष गुजरात और काठियावाड़ में इस समय हुआ ।

(१) केवल सही क्रमांक | | | | | | | गुण : ३ |

(२) यथार्थ घटनाक्रम | | | | | | | गुण : ३ |

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे। अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१२	

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ४)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **मुकुन्दानन्द वर्णी (मूलजी ब्रह्मचारी) :** सर्दियों के मौसम में, नंगे पैर चलकर वे वड़ताल गये । पैरों मे फफोले पड़ गये । आचार्य महाराज के सामने मटकी रखी । पैरों को छूकर उन्होंने आचार्य महाराज को 'जय सच्चिदानन्द' कहा ।

उ. ....

....

.... गुण : १

२. **भक्तराज दादाखाचर :** जीवुबा महाराज के नियमों के अनुसार सांख्य व्रत का पालन कर रही थी । वे संसार के भोगों की ओर तनिक भी रुचि नहीं रखती थीं । किन्तु संतों के कहने से वे संसार करने के लिए तैयार हो गई ।

उ. ....

....

.... गुण : १

३. **भक्तरत्न लाडूबा :** साधुओं ने तेजा ठक्कर से पूछा कि क्या वह इस गाय को ५० रुपये में बेच सकते हैं । जीवुबा-लाडूबा ने उदास होकर उस गाय के ५० रुपये दे दिये और जोधा अहीर वहाँ जाकर गाय को ले आये ।

उ. ....

....

.... गुण : १

४. **स्वामी जागा भक्त :** मैं सारे देश में घूमा हूँ किन्तु मुझे कहीं भी ऐसा अद्‌भुत आनन्द का अनुभव नहीं हुआ । मैं अनेक छोटे छोटे आश्रम में दर्शन के लिए गया हूँ, परन्तु मुझे ऐसे सन्त कहीं नहीं मिले जो दूसरों में आनन्द स्पन्दित कर सके । यह आनन्द भगतजी महाराज के कारण से हैं ।

उ. ....

....

.... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १०)

१. प्रमुखस्वामी महाराज की जीवनभावना - दूसरों के सुख में अपना सुख ।

२. अक्षरधाम-जीवन परिवर्तन का संदेश ।

३. पुनर्जन्म का प्राचीन भारतीय सूरज ।

( ) ....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१३	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें